PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Mon, 19 Jun 2017, Page 10
Width: 5.77 cms, Height: 17.68 cms, a4, Ref: 31.2017-06-19.168

बड़े डिफॉल्टरों पर कार्रवाई की तैयारी

मुंबई, प्रेट्र : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सोमवार से अहम बैठक करने जा रहे हैं। इस दौरान 12 में से छह सबसे बड़े डिफॉल्टरों पर अगले चरण की कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस महीने के अंत तक इनके बैंक खातों को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। दिवालिया कार्रवाई के लिए रिजर्व बैंक ने इन 12 सबसे बड़े डिफॉल्टरों की पहचान की है।

फंसे कर्ज वाले छह बड़े खातों के पहले सेट में भूषण स्टील (44,478 करोड़), एस्सार स्टील (37,284 करोड़), भूषण पावर एंड स्टील (37,248 करोड़), आलोक इंडस्ट्रीज (22;075 करोड़), एमटेक ऑटो (14,074 करोड़) और मोनेट इस्पात (12,115 करोड़) शामिल हैं।

आरबीआइ के मुताबिक, इन 12 डिफॉल्टरों पर ढाई लाख करोड़ रुपये बकाया है। यह कुल फंसे कर्जों का करीब एक चौथाई है। बैंकरों के अनुसार, दिवालिया कार्रवाई के लिए जिन अन्य खातों का नाम है, उनमें लैंको इंफ्रा (44,364.6 करोड़), इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स (10,273.6 करोड़), एरा इंफ्रा (10,065.4 करोड़), जेपी इंफ्राटेक (9,635 करोड़), एबीजी शिपयार्ड (6,953 करोड़) और ज्योति स्ट्रक्चर्स (5,165 करोड़) शामिल हैं।